LXXIII.

RECHANT.

Nĭ | ān | sĕ | lā | nĭ | sān | sĕ | lā |
Ę̂ | trĕ | nĕ | pe͞ʊ | t ă | mɤ̆ | r ān | tɪe͞r ·><· |

CHANT .I.

Dĕ | zĭ | re͞r | sĕ | n'ę̂t | ĸĕ | tɤ̄r | mānt, |
É | ɟɤ̆ | ī̄ r | sĕ | n'ę̂t | ĸĕ | plę̄ | zīr, |
Kĭ | rĕ | lā | chĕ | rā | lĕ | z e͞s | prīs |
Dŭ | dĕ | zīr | ĸrŭ | ę̄l | tră | vāɫ | ɫe͞s ·><· <· |

2.

A | mɤ | r ę̂t | de | zir | de | beœ | té, |
Ki | a | pœr | te | ra | mi | l an | nuis, |
Ne | pre | nant | le | bién, | ĸe | dans | nɤs |
Jɤ̈ | ɪ | san | se | peʊ | t a | ĸon | plir. ·><· |

3.

Nɤ | z a | vons | le | ĸœr | s é | l'és | prit, |
Pɤ | r é | mér | la | ɟras | se | dę– | deʊs. |
Ki | le | ĸœrs, | ĸi | éi | me | l'és | prit : |
Ki | le | ĸœr | s a | vę | ĸe | l'és | prit ·><· |

4.

Le | ma | l ę̂t, | ĸ'a | mɤr | le | tron | peʊr, |
Kĭ | ne | chęr | che | rién | ĸe | lęs | sans, |
Ò | su | ɟęt | ĸa | duĸ | s'a | mu | zant, |
S'ĭ | ɟɤ̂ | ɪt | se | treʊ | ve | mœr | tęl ·><· |

5.

Mo | n a | vis | se | rœ̨t, | ĸe | l'és | prit, |
De | zi | reʊs | ɟɤ̂ | ɪt | de | l'és | prit, |
É | le | ĸœrs | du | ĸœrs, | se | pan | dant |
Ke | le | ĸœr | s é | l'â | me | son | t un ·><· |

6.

Du | ɟɤ̈ | ɪr | de | zir | re | nęs | sant, |
Du | de | zir | ɟɤ̈ | ɪr | re | nę | trœ̨t̀ : |
Du | tra | vaɫ | re | pœs̀ | re | sɤr | drœ̨t̀, |

É | ja | męs | l'a | mɤr | ne | mɤr | rœ̨t̀ ·><· <·